अब डिग्रीधारी पुजारी करवाएंगे पूजा-अर्चना

पंकज मिश्रा फरीदाबाद

आधुनिक शिक्षा का दायरा फैलता हुआ फिर से पौराणिक युग में लौटने लगा है! इसकी मिसाल बनने जा रही जीवा यूनिवर्सिटी। लंबे चौड़े भूखंड पर शहर से करीब 85 किलोमीटर दूर स्थापित होने जा रही इस प्राइवेट यूनिवर्सिटी में मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, फैशन डिजाइनिंग, मेडिकल साइंस और आयुर्वेद की पढ़ाई खालिस पौराणिक सभ्यता, संस्कृति और धर्म आधारित होगी। छात्रों को रामायण, महाभारत एवं श्रीमद्‌भागवत गीता के तथ्यों से रूबरू कराने के साथ। यहां पुजारी और ज्योतिष तैयार करने का भी काम होगा।

दिलचस्प है कि एक अमेरिकन और एक इंडियन मिलकर इस पर काम कर रहे हैं। योजना सिरे चढ़ने पर यह अपने तरह की पहली यूनिवर्सिटी होगी। इसे जीवा यूनिवर्सिटी नाम दिया गया है।

कैंपस प्लेसमेंट

यूनिवर्सिटी से ज्योतिष और पुजारी का कोर्स करने वालों को अमेरिका के पांच सौ हिन्दू मंदिरों में नौकरी देने की व्यवस्था की जाएगी। डायरेक्टर ऋषिपाल चौहन के अनुसार वैदिक मैनेजमेंट की पढ़ाई को इकॉनोमिक्स से जोड़ा जाएगा। दाखिला की योग्यता बारहवीं और ग्रेजुएट होगी। कोर्स डिप्लोमा और डिग्री स्तर की होगा।

पाठ्यक्रम

मैनेजमेंट: रामायण, महाभारत और श्रीमद्‌भागवत गीता के चौपाई, दोहे, उपदेश के सूत्र मैनजमेंट की पढ़ाई से जोड़े जाएंगे।

पुजारी: इसके पाठ्यक्रम में कर्मकांड की विधि और शास्त्र शामिल होंगे।

ज्योतिष: इसकी पढ़ाई विज्ञान की तरह होगी। कोर्स कराने का उद्देश्य इसके नाम पर होने वाले पाखंड को रोकना है।

होडल में सौ एकड़ जमीन पर न्यूयॉर्क के स्टीवन रूडोल्फ और ऋषिपाल चौहान अपने सपनों को जमीन पर उतराने जा रहे हैं। इसमें डिप्लोमा, डिग्री स्तर के सामान्य कोर्स के साथ ज्योतिष, संस्कृत, योग और मंदिर के पुजारी की पढ़ाई कराई जाएगी। वैसे यहां पढ़ने वाले सभी छात्रों को रामायाण, महाभारत, श्रीमद्‌भागवत गीता, वेद व पुराण के कसौटी पर खतरा उतरना होगा। यहां की शिक्षा व्यवस्था धर्म और विज्ञान के जुगलबंदी पर आधारित होगी।

यूनिवर्सिटी में छह कॉलेज होंगे। जिसमें एक हजार छात्रों की शिक्षा की व्यवस्था होगी। यूनिवर्सिटी की थीम 'वैज्ञानिक व शैक्षणिक तरीके से भारत की पौराणिक परंपराओं की रक्षा' है। पाठ्यक्रम संचालित करने में वेद, पुराण और संस्कृत के आचार्यों की मदद ली जाएगी। जीवा इंटरनेशनल स्कूल के एजुकेशन डायरेक्टर रूडोल्फ बताते हैं कि भारत के वैदिक साहित्य ने काफी प्रभावित किया है।

रामायण में श्रीराम का व्यक्तित्व हो या महाभारत में युद्ध का आधार। इसमें काफी मैसेज छुपा है। श्रीमद्‌भागवत गीता का एक-एक उपदेश व्यवस्था और प्रबंधन का बेहतर नमूना है। श्री बजरंग नवग्रह अनुसंधान केन्द्र के संचालक गोविंद वत्स का कहना हे कि ज्योतिष संपूर्ण विज्ञान है। वैदिक आधार पर पढ़ाई की व्यवस्था का स्वागत करना चाहिए। इससे ज्योतिष को पाखंड मनाने वालों को सबक मिलेगा। वहीं पुजारी जतिन शर्मा के अनुसार देश में गिने-चुने आश्रम हैं। जहां पुजारी या ज्योतिषाचार्य बनने की पढ़ाई होती है। इस फील्ड में करियर बनाने वालों के लिए फायदेमंद रहेगा।

News Clipping: Hindustan Faridabad (Hindi), Sep 17, 2009